(हिन्दी दैनिक)
R.N.I. No. Utthin/2018/76731
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, शुक्रवार, 17 मार्च 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

सीएसए में एनएसएस की छात्राओं ने प्राणायाम एवं ध्यान के साथ शिविर की शुरुआत की

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 3 की छात्राओं ने शिविर के दूसरे दिन प्राणायाम एवं ध्यान के साथ दिन की शुरुआत की।

आज एन?एस?एस?कार्यक्रम अधिकारी इकाई 3 डॉ रश्मि सिंह ने सभी छात्राओं से स्वच्छता के महत्व के बारे में बातें की एवं उनके विचार भी पूछे कि कैसे हम स्वच्छता को बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने गंदगी से जुड़ी बीमारियों के बारे में भी सभी से पूछा तथा उसको रोकने के सुझाव भी बताए।

डॉक्टर संजीव सचान ने कृषि में प्रयोग होने वाले फर्टिलाइजर एवं पेस्टिसाइड के ज्यादा एवं गलत तरीके से प्रयोग करने के दुष्प्रभाव के बारे में भी बताया एवं उनसे जुड़ी समस्याओं को बताया।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश
अडाणी मुद्दे पर डरे हैं पीएम: राहुल गांधी... 12
कोल्ड स्टोर की छत ढही, कई लोगों के दबे होने की... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 153
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper
शुक्रवार | 17 मार्च, 2023

फास्ट फॉरवर्ड

सीएसए में छात्राओं को दी स्वच्छता के बारे में जानकारी

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 3 की छात्राओं ने गुरुवार को शिविर के दूसरे दिन प्राणायाम एवं ध्यान के साथ दिन की शुरुआत की। इस अवसर पर एन. एस. एस. कार्यक्रम अधिकारी इकाई 3 डॉ.रश्मि सिंह ने सभी छात्राओं को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताने के साथ स्वच्छता को बढ़ावा देने पर उनके विचार पूछे। उन्होंने गंदगी से जुड़ी बीमारियों के बारे में भी सभी से पूछा तथा उनको रोकथाम के सुझाव दिए। डॉ. संजीव सचान ने कृषि में प्रयोग होने वाले फर्टिलाइजर एवं पेस्टिसाइड के ज्यादा एवं गलत तरीके से प्रयोग करने के दुष्प्रभाव के बारे में बताया।

अफसरों ने की आरा मशीनों पर छापेमारी

हिंदी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज

किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सरकार प्रयासरत

शुक्रवार, 17 मार्च, 2023 लखनऊ से प्रकाशित वर्ष : 09, अंक : 781, पृष्ठ : 08, मूल्य : 2 रुपये

वालों में दिवाकर मिश्रा, फूलचंद पाल, बाथम, संजय श्रीवास्तव आदि रहे। का अनुमान है। अभियुक्तों को रामलीला मैदान थाना अभिरक्षा में भेज दिया गया।

फसल सुरक्षा पर निर्भर करती है फसल की उपज

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा ग्राम सहतावनपुरवा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने बताया कि किसी भी फसल की अधिकतम उपज मुख्यरूप से फसल सुरक्षा पर निर्भर करती है। अन्य फसलों की भांति गेहूं की फसल में भी खरपतवारों से काफी नुकसान होता है।

गेहूँ की फसल में पाये जाने वाले खरपतवार मुख्यतया कृष्णनील, सत्यानाशी, प्याजी, जंगली जई, भृंग, बथुआ, कटहली, हिरन खुरी, गजरी, मटरी, मैना, मेथा, मंडूसी, बनघनिया, गेला आदि हैं। मंडूसी अथवा गुल्ली डंडा अथवा गेहूं का मामा खरपतवार, गेहूँ की फसल का मुख्य खरपतवार है। इसको यदि समय से नियंत्रित नहीं किया गया तो इसकी संख्या एक वर्ग मीटर में लगभग 2000 से 3000 तक पहुँच जाती है ।इसी नुकसान से बचने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र कानपुर देहात की पादप सुरक्षा इकाई द्वारा मैथा ब्लॉक के 4 गांव क्रमशः अनूपपुर, मझियार, औरंगाबाद, सहतावनपुरवा व रुदापुर में क्लाडिनोफाप् व मेट्रिव्यूज़ील नामक दवाओं का वितरण अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन अंतर्गत किया गया था। जिसके परिणाम उत्साहजनक है।

इस दवा के द्वारा 95 प्रतिशत तक नियंत्रण है। इसके परिणाम कृषकों को दिखाने हेतु 16 मार्च, दिन गुरुवार को ग्राम सहतावनपूरवा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रक्षेत्र दिवस पर कृषकों को दवा के बारे में बताते हुए डॉ अजय कुमार सिंह पादप सुरक्षा वैज्ञानिक व केंद्र प्रभारी ने बताया कि यह दवा गेहूँ के चौड़ी पत्ती व पतली पत्ती दोनों प्रकार के खरपतवारों पर प्रभावी है। इसके एक पैकेट 30-30 ग्राम की, 8 पुड़िया होती हैं प्रत्येक पुड़िया एक टंकी यानी 15-18 ली0 पानी में घोल कर खेत पर छिड़काव किया जाना चाहिए। इस दवा का एक पैकेट लगभग 2 बीघा हेतु हेतु पर्याप्त होता है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ अरुण सिंह, डॉ शशिकांत, डॉ राजेश राय डॉ निमिषा अवस्थी समेत सहतावनपुरवा व औरंगाबाद के कृषक छुन्ना सिंह, चरण सिंह, अशोक, राम प्रसाद इत्यादि उपस्थित रहे।

विद्युत अधिकारी व कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी

राठ, हमीरपुर। विभिन्न मांगों को लेकर विद्युत अधिकारी व कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। सब डिवीजन कार्यालय में चल रहे धरना प्रदर्शन के कारण उपभोक्ता परेशान नजर आए। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वधान में विद्युत उपखंड कार्यालय में अवर अभियंता वीके पांडे की अध्यक्षता में दूसरे दिन अधिकारी, जूनियर इंजीनियर, संविदा कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन जारी रहा और दिन भर नारेबाजी होती रही। जेई बीके पांडे ने कहा कि 15 सूत्रीय मांगों पर सहमति बनी थी। जिनको 15 दिनों के भीतर निराकरण का आश्वासन दिया था। मगर 3 माह बीत जाने के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हो सका और प्रदेश के बिजली कर्मचारी कार्य बहिष्कार करने को मजबूर हुए। दूसरे दिन कार्यालय परिसर में धरने पर बैठे कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। काम बंद रहने से उपभोक्ता भी परेशान नजर आए। बिल जमा करने आये उपभोक्ता मायूस लौट गए। धरने पर एसडीओ चंदन यादव, निरंजन चौधरी, विष्णो कुमार, अभिनव मिश्रा, अनिल कुमार, सूर्य कुमार, शैलेंद्र कुमार, आशीष सक्सेना, अरशद सहित सरीला और राठ के समस्त संविदा कर्मी मौजूद रहे। गुरुवार रात से विद्युत कर्मचारी की हड़ताल शुरू होगी। सभा का संचालन नसीम अहमद ने किया।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शुक्रवार • 17 मार्च • 2023

वाओं से खेतों में खरपतवारों का हो रहा प्रभावी नियंत्रण

ुर (एसएनबी)। दवाओं के प्रयोग से खेतों में खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रत हो रहा हस्पतिवार को सीएसए से संवद्ध दलीप नगर कृषि विज्ञान केन्द्र के संयोजन में वनपुरवा गांव में दिवस कार्यक्रम जेत कर किसानों तों का भ्रमण करा तवारों पर दवाओं ाव के परिणाम से त कराया गया। तवारों के उन्मूलन ाए चार गांवों के नों को अंग्रिम प्रदर्शन के तहत ङनोफाप व ूजील नामक दवाएं उपलब्ध कराई गई थी। दावा है कि इन दवाओं के प्रयोग से खर- ों का 95 प्रतिशत तक नियंत्रण हुआ है।

खरपतवारों पर दवाओं के प्रभाव को दिखाने के लिए खेत पर किसानों को जानकारी देते कृषि अधिकारी।

ादप सुरक्षा वैज्ञानिक व केन्द्र प्रभारी डॉ.अजय कुमार सिंह ने वताया कि यह दवा गेहूं के पत्ती व पतली पत्ती दोनों प्रकार के खरपतवारों में प्रभावी है। इसके एक पैकेट में 30- म की 8 पुड़िया होती है। प्रत्येक पुड़िया को एक टंकी यानी 15-18 लीटर पानी में घोल ेत पर छिड़काव किया जाना चाहिए। दवा का एक पैकेट लगभग 2 वीघा हेतु पर्याप्त होता स अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान, डॉ.अरुण सिंह, डॉ. शशिकांत, ेश राय, डॉ. निमिषा अवस्थी आदि मौजूद रहे।

योग से काया निरोगी होती

सीएसए में एनएसएस की छात्राओं ने प्राणायाम एवं ध्यान के साथ शिविर की शुरुआत की

डीटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 3 की छात्राओं ने शिविर के दूसरे दिन प्राणायाम एवं ध्यान के साथ दिन की शुरुआत की।आज एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी इकाई 3 डॉ रश्मि सिंह ने सभी छात्राओं से स्वच्छता के महत्व के बारे में बातें की एवं उनके विचार भी पूछे कि कैसे हम स्वच्छता को बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने गंदगी से जुड़ी बीमारियों के बारे में भी सभी से पूछा तथा उसको रोकने के सुझाव भी बताए।डॉक्टर संजीव सचान ने कृषि में प्रयोग होने वाले फर्टिलाइजर एवं पेस्टिसाइड के ज्यादा एवं गलत तरीके से प्रयोग करने के दुष्प्रभाव के बारे में भी बताया एवं उनसे जुड़ी समस्याओं को बताया।

सीएसए में शिविर का दूसरा दिन

एनएसएस की छात्राओं ने प्राणायाम एवं ध्यान के साथ शिविर की शुरुआत की

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 3 की छात्राओं ने शिविर के दूसरे दिन प्राणायाम एवं ध्यान के साथ दिन की शुरुआत की। आज एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी इकाई 3 डॉ रश्मि सिंह ने सभी छात्राओं से स्वच्छता के महत्व के बारे में बातें की एवं उनके विचार भी पूछे कि कैसे हम स्वच्छता को बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने गंदगी से जुड़ी बीमारियों के बारे में भी सभी से पूछा तथा उसको रोकने के सुझाव भी बताए। डॉक्टर संजीव सचान ने कृषि में प्रयोग होने वाले फर्टिलाइजर एवं पेस्टिसाइड के ज्यादा एवं गलत तरीके से प्रयोग करने के दुष्प्रभाव के बारे में भी बताया एवं उनसे जुड़ी समस्याओं को बताया।